

2101000105020332
EXAMINATION FEBRUARY-MARCH 2024
BACHELOR OF ARTS (FIFTH SEMESTER)
HINDI - XII - GADHYA - VIDHYAYE
(HINDI GADHYA - PRABHAKAR) - LEVEL 2 (CC)

[Time: As Per Schedule]

[Max. Marks: 50]

Instructions:

1. Fill up strictly the following details on your answer book

a. Name of the Examination: **BACHELOR OF ARTS (FIFTH SEMESTER)**

b. Name of the Subject: **HINDI - XII - GADHYA – VIDHYAYE (HINDI GADHYA - PRABHAKAR) - LEVEL 2 (C.C)**

c. Subject Code No: **2101000105020332**

2. Sketch neat and labelled diagram wherever necessary.
3. Figures to the right indicate full marks of the question.
4. All questions are compulsory.

Seat No:

--	--	--	--	--

Student's Signature

Q.1 सही विकल्प पहचानकर उत्तर लिखिए:

10

(1) गणित और ज्योतिष के धुरंधर पंडित के रूप में किसकी गणना की जाती थी?

- (अ) प्रेमचंद (ब) सुदर्शन
(क) सुकरात (ड) प्रसाद

(2) भारत की एकता और विविधता की चर्चा किस लेखक की कलम से वर्णित हुई है?

- (अ) सुदर्शन (ब) प्रेमचंद
(क) भास्कर (ड) दिनकर

(3) गांव की प्राइमरी पाठशाला में दूसरे मास्टर की जगह के लिए किसने अपनी उम्मीदवारी दर्ज कराई थी?

- (अ) गंगा प्रसाद (ब) बट्टी प्रसाद
(क) शादी राम (ड) लाल सदानंद

(4) 'वार्धक्य वह रोग नहीं, जिसकी दवा की जा सके। यह मर्ज लाइलाज है।' प्रस्तुत कथन किस निबंध से लिया गया है?

- (अ) कदंब के फूल (ब) बड़े भाई साहब
(क) बुढ़ापा (ड) एल्बम

(5) सन 1924 में बेलगांव कांग्रेस के प्रधान के रूप में किसकी नियुक्ति हुई ?

- (अ) मिस्टर जिन्ना (ब) जवाहर नेहरू
(क) सरदार (ड) महात्मा गांधी

Q.2 दो ईमानदार व्यक्तियों के चरित्र का हृदय स्पर्शी चित्रण अलबम ' कहानी के आधार पर कीजिए। **13**

अथवा

'महात्मा गांधी' लेख के आधार पर गांधी जी की स्वराज यात्रा का वर्णन कीजिए।

Q.3 "वृद्धावस्था के विभिन्न पहलुओं का रोचक चित्रण 'बुढ़ापा' निबंध का वर्णन- विषय है" कथन की चर्चा कीजिए | **13**

अथवा

'कदंब के फूल' कहानी का भावार्थ लिखकर उद्देश्य की चर्चा कीजिए ।

Q.4 (अ) टिप्पणी लिखिए: **7**

'ताज' निबंध का सार ।

अथवा

तुलसीदास - लोकनायक के रूप में।

(ब) ससंदर्भ व्याख्या लिखिए: **7**

“आलस की वजह से हम दरिद्र हो गए हैं। परतंत्र हो गए हैं। इसलिए हमें उद्योग की ओर झुकना चाहिए । ”

अथवा

"तालीम जैसे महत्व के मामले में वह जल्दबाजी से काम लेना पसंद ना करते थे ।

इस भावना की बुनियाद खूब मजबूत डालना चाहते थे, जिस पर आलीशान महल बना सके।"
